Ib) if so, whether Government propose to contemplate fir_m steps to stop illegal entry in second class sleeper coaches without reserved tickets; and

(c) if so, the $detail_s$ thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) In compliance with Commission's orders, instructions have been issued for provision of one TTE in each coach in non-vestibuled trains and one TTE in two Sleeper Class coa-: in vestibukd trains to prevent the entry of unauthorised passengers in Sleeper Class coaches. Railways have ?!so been directed to intensify the checks against the entry of unauthorised vendors and beggars/urchins in trains.

Computerisation o< rai/way reservation

2212. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to provide computerised reservation facilities at some railway stations in Madhya Pradesh, Gujarat and Maharashtra;

(b) if so, the names thereof, and

(c) the details of the railway stations in Madhya Pradesh which have already been provided with computerised reser vation facilities?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF):
(a) Yes, Sir.

(b) It is proposed to provide Computerised Reservation Facility at Kolhapur, Bhusawal and Nasik in Maharashtra, Gandhidham in Gujarat and Jabalpur, Raipur and Ratlam in Madhya Pradesh.

(c) In Madhya Pradesh the Compute rised Railway Reservation Facility has been introduced at Bhopal, Habibganj, Gwalior. Indore and Bilaspur.

नई रेल लाइनें बिछाने हेतु राज्य सरकारों से प्राप्त अनुरोध

2213. श्री सुशीलकुमार संभाजीराव शिंदे : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कई राज्य सरकारों ने केन्द्रीय सरकार से अपने-अपने राज्यों में नई रेल लाइनें बिछाने का अनुरोध किया है ;

(ख) यदि हां, तो 1 जुलाई, 1994 तक प्राप्त हुये ऐसे प्रस्तावों का राज्य वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) सरकार इन में से किन-किन प्रस्तावों पर स्वीकृति देने का विचार रखती है ; और

(घ) इनके कब तक पूरा हो जाने की सभावना है ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ) विवरण संलग्न अनुपत्र में दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट 171, अनुपत्र सं० 36] ।

implementation of ring railway services

2214. SHRI K. M. KHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state,-

(a) whether the Ring Railway service was earlier proposed to commence from July, 1994 in Delhi.

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the commencement of this service has been deferred till August, 1994;

(d) if so, the reasons thereior;

(e) whether about 25 trains are proposed to put in service on Ring Railway Service providing frequency of 20
j minutes throughout **tha** das'!

(f) if so, the details thereof with class of journey to be provided alongwith fare stages fixed from the station to another trains running in clockwise direction;

(g) whether Government propose to provide 'Free Shuttle Service' from all stations to nearest Bus-Stands; and

(h) if so, the names of such stations to be connected with names of Bus-Stands?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) to (e) The Ring Railway is already functional. Railways are also in readiness to augment the services on Delhi at an interval of approximately every Ring Railway so as to provide a service 20 minutes (during morning and evening peak hours) on the Southern Ring between Hazrat Nizamuddin and Patel Nagar by August 15, 1994.

(f) The services are proposed with only il clas$_s$ accommodation and normal fare structure at par with that of other trains services on the Railways.

(g) and (h) This pertains to Ministry of Surface Transport and Government of National Capital Territory of Delhi.

रेलवे में संसाधनों की कमी

2215. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रेल विभाग में संसाधनों की अत्यधिक कमी है जिसके फलस्वरूप कई निर्माण परियोजनायें स्थगित कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो संसाधनों की इस अत्यधिक कमी के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार रेलवे में की जा रही फिजूलखर्ची को रोकने का विचार रखती है ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) जी, हां । नई लाइन निर्माण परियोजनायें संसाधनों की तंगी का सामना कर रही हैं और उनमें से कुछ परियोजनाओं की लक्ष्य तिथि स्थगित कर दी गई है ।

(ख) नई लाइनों के निर्माण के लिये रेल मंत्रालय को धन विशिष्टत: योजनागत सहायता के रूप में दिया जाता है । इस समय, इस प्रयोजन के लिये आर्थिक आबंटन लगभग 200 करोड़ रुपये है जबकि निर्माण के लिये स्वीकृत परियोजनाओं की लागत लगभग 3000 करोड़ रुपये है । वित्त पोषण का यह स्तर मुद्रास्फीति की दृष्टि से भी पर्याप्त नहीं है ।

(ग) रेलों में खर्च पर नियंत्रण रखना सदा से एक सतत प्रक्रिया रही है तथापि, पिछले 3 वर्षों से इस पहलू पर नये सिरे से बल दिया जा रहा है। इस अवधि के दौरान रेलों में आमान परिवर्तन, रेल विद्युतीकरण, रेलपथ नवीकरण आदि की लागत कम करने में काफी सफलता हासिल की है : ये प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे ।

दिल्ली और जयपुर के बीच रेल-लाइन का आमान परिवर्तन

2216. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल :**
श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली–जयपुर मीटर लाइन के आमान परिवर्तन के संबंध में 1993–94 के दौरान निर्धारित किये गये लक्ष्य को कब तक प्राप्त कर लिया गया है;